उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान, बिलासपुर
Institute of Advanced Studies in Education
Bilaspur (C.G.)

B.Ed. Second Year
LEARNING AND TEACHING
TRANSFER OF LEARNING
UNIT-II

Dr. Vidya Bhushan Sharma
M.A. Eng., Phil., Psy., M.B.A, M.Lib,
M.Phil., M.Ed., PhD. Education
Post Graduate Certificate in Research Methodology
Lecturer
Institute of Advanced Studies in Education
Bilaspur (C.G.)

UNIT-II
TRANSFER OF LEARNING

Dr. Vidya Bhushan Sharma
M.A. Eng., Phil., Psy., M.B.A, M.Lib,
M.Phil., M.Ed., PhD. Education
Post Graduate Certificate in Research Methodology
Lecturer
Institute of Advanced Studies in Education
Bilaspur (C.G.)

सीखने के स्थानांतरण का अर्थ एवं परिभाषा :-

स्थानानंतरण का सामान्य अर्थ है कि किसी वस्तु अथवा व्यक्ति को एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर रखना। परंतु मनोविज्ञान के क्षेत्र में सीखने के संदर्भ में इसका अर्थ भिन्न होता है।

सीखने का अर्थ होता है किसी एक क्षेत्र में सीखे हुए ज्ञान एवं कौशल का किसी दूसरे क्षेत्र के ज्ञान अथवा कौशल के सीखने में प्रयोग होना।

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार – सीखने के क्षेत्र में विकसीत होने वाले ज्ञान एवं कौशलों का और सोचने, अनुभव करने या कार्य करने की आदतों का सीखने के किसी दूसरे क्षेत्र में प्रयोग करना, प्रशिक्षण का स्थानांतरण कहा जाता है।

सोरेंशन के अनुसार : स्थानांतरण एक परीस्थिति में अर्जित ज्ञान, प्रशिक्षण और आदतों का किसी दूसरी स्थिति में स्थानांतर होने का उल्लेख करता है।

इस तरह परिभाषाओं से स्पष्ट है कि अधिगम अथवा प्रशिक्षण का स्थानांतरण व प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति एवं परिस्थिति में अर्जित ज्ञान, प्रशिक्षण कौशल, आदतों अथवा अनुभवों आदि का अन्य समान परिस्थितियों सीखे जाने वाले ज्ञान तथा कौशलों आदि के सीखने में उपयोग करता है।

सीखने के स्थानान्तरण के प्रकार
(Types of Transfer of Learning)

सीखने के स्थानान्तरण के निम्नलिखित रूप होते हैं–

1. धनात्मक स्थानान्तरण (Positive Transfer)– जव किसी एक क्षेत्र में रीखा हुआ ज्ञान अथवा कोशन किसी दूसरे क्षेत्र में सीखे जाने वाले ज्ञान अथवा कोशल के सीखने में सहायक होता है तो इसे धनात्मक स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे– गणित के ज्ञान का भौतिकशास्त्र की संख्यात्मक समस्याओं के हल करने में सहायक होना ओर कार चलाने के क्रीशल का जीप अथवा ट्रक चलाने के कौशल को सीखने में सहायक होना। शिक्षा के क्षेत्र में इस धनात्मक स्थानान्तरण का ही महत्व होता ह। शिक्षा के क्षेत्र में जब हम सीखने के स्थानान्तरण की वात करते हैं तो हमारा तात्पर्य इसी धनात्मक स्थानान्तरण से होता है।

2. ऋणात्मक स्थानान्तरण (Nagative Transfer)– जव किसी एक क्षेत्र में सीखा हुआ ज्ञान अथवा कीशल किसी दूत क्षेत्र में सीखे जाने वाले ज्ञान अथवा कौशल के सीखने में वाधक होता है तो इसे ऋणात्मक स्थानान्तरण कहते हें; जैसे– विज्ञान के ज्ञान और उसमें निहित कारण–कार्य सम्बन्ध का धर्म एवं दर्शन के अध्ययन में बाधक होना। शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार के स्थानान्तरण का कोई महत्त्व नहीं होता इसलिए इस पर कोई विचार नहीं किया जाता।

3. क्षितिज स्थानान्तरण (Horizontal Transfer)--जब किसी एक ही स्तर की कक्षा में किसी एक क्षेत्र में सीखा हआ ज्ञान अथवा कौशल उसी कक्षा के किसी दूसरे क्षेत्र में सीखे जाने वाले ज्ञान अथवा कोशल के सीखने में सहायक होता है तो इसे ज्ञतिज स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे- कक्षा 10 के सीखे हुए गणित के ज्ञान एवं कौशल का उसी कक्षा के विज्ञान की संख्यात्मक समस्याओं के हल करने में सहायक होना।

4. ऊर्ध्य स्थानान्तरण (Vertical Transfer)- जब किसी पूर्व कक्षा में किसी एक क्षेत्र में सीखा हुआ ज्ञान अथवा कौशल उससे आगे की कक्षा में किसी क्षेत्र में सीखे जाने वाले ज्ञान अथवा कौशल के सीखने में सहायक होता है तो इसे ऊर्ध्य स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे-कक्षा 11 में सीखे जाने वाले गणित के ज्ञान एवं कौशल का कक्षा ।। में सीखे जाने वाले गणित के ज्ञान एवं कौशल के सीखने में सहायक होना।

5.एक पक्षीय स्थानान्तरण (Uni-lateral Transfer)- जव शरीर के किसी एक अंग द्वारा सीखा हुआ कोई कौशल उसी अंग द्वारा किसी दूसरे कौशल को सीखने में सहायक होता है तो इसे एक पक्षीय स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे - बाएँ हाथ से कपड़ा सीने के कौशल का वाएँ हाथ से लिखना सीखने में सहायक होना अथवा क्रिकेट में बायें हाथ से गेंदबाजी तथा बेटिंग करना।

6. द्विपक्षीय स्वानान्तरण (Bi-lateral Transfer)- जव शरीर के किसी एक अंग द्वारा सीखा हुआ कोई कौशल शरीर के दूसरे अंग द्वारा उसी कौशल को या अन्य क्रित्ती कौशल को सीखने में सहायक होता है तो इसे द्वि-पक्षीय स्थानान्तरण कहते हैं; जैसे-दाएँ हाथ से लिखने के कौशल का वाएँ हाथ से लिखना अथवा तलवार चलाना सीखने में सहायक होना।